बी0ए0 तृतीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2019–20
प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य

इकाई–1 पूर्णांक :–30

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का विवेचनात्मक तथा तुलनात्मक अध्ययन– दरबारी कान्हड़ा, शुद्ध कल्याण पूरिया धनाश्री, बहार।
2. निबद्ध तथा अनिबद्ध गान। देशी तथा मार्गी संगीत, अविर्भाव तथा तिरोभाव।

इकाई–2

1. पाठ्यक्रम के रागों में से मसीतखानी गत व रजाखानीगत बोल, मात्रा तथा तानों(तोड़ों) सहित।
2. तान तथा उसके प्रकारों का वर्णन।

इकाई–3

1 व्यंकरमुखी के 72 मेल।
2. भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण।
3. निम्नलिखित तालों की ठाह दुगुन तथा चौगुन– पंजाबी, धमार, झूमरा तथा आड़ा चौताल।

इकाई–4

1. स्वरों को श्रुतियों में बांटने का आधुनिक तथा प्राचीन ग्रन्थकरों के सिद्धान्त का वर्णन।
2. पं. अहोबल तथा पं. श्रीनिवास के अनुसार वीणा के तार पर शुद्ध एवं विकृत स्वरों की स्थापना।
3. स्वर संवाद– षड़ज मध्यम एवं षड़ज पंचम भाव।

इकाई–5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय--

उस्ताद विलायत खॉ, पं. श्री निवास, निखिल बैनर्जी, अब्दुल हलीम ज़ाफ़र खॉ।

बी०ए० तृतीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2019–20
द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :–30

इकाई–1

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का विवेचनात्मक तथा तुलनात्मक अध्ययन– तोड़ी मियाँ मल्हार, जय–जयवन्ती तथा अड़ाना।
2. राग वर्गीकरण पद्धति का संक्षिप्त वर्णन।

इकाई–2

1. पाठ्यक्रम के रागों में से मसीतखानों व रज़ाखनीगत बोल, मात्रा तथा तानों (तोड़ों) सहित।
2. वाग्गेयकार की परिभाषा एवं लक्षण।

इकाई–3

1. निम्नलिखित तालों की ठाह, दुगुन तथा चौगुन– पंजाबी, धमार, झुमरा तथा आड़ा चौताल।
2. आधुनिक काल के भरतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई–4

1. निम्नलिखित वाद्यों की ऐतिहासिक जानकारी:–
   मत्तकोकिला, चित्रा, किन्नरी, विपंची, घोषा, पटह, मंदृग, हुडुक्का, वंशी तथा घंटा।
2. तन्त्रीं वाद्यों का विकास।

इकाई–5

संगीत विषयक निबंध

बी0ए0 तृतीय वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2019–20
तृतीय प्रश्न पत्र (प्रायोगिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :–70

1. तोड़ी, असावरी, मारवा तथा पूर्वी थाटों के अंलकारों का अपने वाद्य पर वादन तथा मिज़राब के बोलों का अभ्यास।

2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्ही तीन रागों में मसीतखनी तथा समस्त रागों में रजाखनी गत बोल, मात्रा तथा तानों (तोड़ो सहित)।

3. पाठ्यक्रम के निर्धारित तालों का हाथ पर प्रदर्शन ठाह, दुगुन तथा चौगुन–पजाबी, झुमरा, धमार तथा आड़ चौताल।

4. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्ही चार रागों में झाला वादन।